प्रश्नकोश

1. **किस कांग्रेस सत्र में कार्यकारी कमेटी को सविनय अवज्ञा आंदोलन प्रारंभ करने का अधिकार दिया गया था?**

(a) बंबई सत्र (b) लाहौर सत्र
(c) लखनऊ सत्र (d) त्रिपुरी सत्र

I.A.S. (Pre) 2005

उत्तर–(b)

वर्ष 1929 में लाहौर कांग्रेस अधिवेशन में कांग्रेस कार्यकारिणी को सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू करने का अधिकार दिया गया। फरवरी, 1930 में साबरमती आश्रम में हुई कांग्रेस कार्यकारिणी की दूसरी बैठक में महात्मा गांधी को इस आंदोलन का नेतृत्व सौंपा गया।

2. **दांडी यात्रा के साथ निम्नलिखित में से क्या प्रारंभ हुआ?**

(a) होमरूल आंदोलन (b) असहयोग आंदोलन
(c) सविनय अवज्ञा आंदोलन (d) भारत छोड़ो आंदोलन

U.P.P.C.S (Pre) 2000

उत्तर–(c)

महात्मा गांधी ने 12 मार्च, 1930 को अपना प्रसिद्ध 'दांडी मार्च' शुरू किया। उन्होंने साबरमती आश्रम से चुने हुए साथियों के साथ सत्याग्रह के लिए कूच किया। 24 दिनों की लंबी यात्रा के बाद उन्होंने 6 अप्रैल, 1930 को दांडी में सांकेतिक रूप से नमक कानून भंग किया और इस प्रकार नमक कानून तोड़कर उन्होंने औपचारिक रूप से सविनय अवज्ञा आंदोलन का शुभारंभ किया। सविनय अवज्ञा आंदोलन गांधीजी के नेतृत्व में पूरे देश में फैल गया। तमिलनाडु में गांधीवादी नेता सी. राजगोपालाचारी ने तिरुचेनगोड आश्रम से त्रिचरापल्ली के वेदारण्यम तक नमक यात्रा की।

3. **दांडी यात्रा की गई–**

(a) 1932 में (b) 1931 में
(c) 1929 में (d) 1930 में

44th B.P.S.C. (Pre) 2000

उत्तर–(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

4. **सविनय अवज्ञा आंदोलन के रूप में गांधीजी ने 'दांडी मार्च' प्रारंभ किया था–**

(a) 31 दिसंबर, 1929 को (b) 26 जनवरी, 1930 को
(c) 12 मार्च, 1930 को (d) 6 अप्रैल, 1930 को

Uttarakhand P.C.S. (Pre) 2005
Uttarakhand P.C.S. (Mains) 2006

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

Scanned with OKEN Scanner

5. **गांधीजी ने दांडी यात्रा प्रारंभ की थी–**
(a) चंपारन से (b) साबरमती से
(c) बारदोली से (d) दांडी से
Uttarakhand P.C.S. (Mains) 2002
U.P. P.C.S. (Pre) 1999

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

6. **महात्मा गांधी ने "दाण्डी यात्रा" किस आश्रम से प्रारंभ की थी?**
(a) साबरमती (b) पवनार
(c) सेवाग्राम (d) रामानंदिया
M.P.P.C.S. (Pre), 2021

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

7. **1930 में महात्मा गांधी ने सविनय अवज्ञा आंदोलन कहां से प्रारंभ किया था?**
(a) वर्धा (b) दांडी
(c) सेवाग्राम (d) साबरमती
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक
65th B.P.S.C. (Pre) 2019

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।
नोट - प्रारंभिक उत्तर कुंजी में बिहार लोक सेवा आयोग ने इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (d) साबरमती माना है, जो गलत है।

8. **निम्नलिखित प्रांतों में से किस प्रांत के सत्याग्रहियों की संख्या महात्मा गांधी के दांडी कूच में सर्वाधिक थी?**
(a) बिहार (b) गुजरात
(c) महाराष्ट्र (d) बंगाल
U.P.P.C.S. (Mains) 2013

उत्तर–(b)

12 मार्च, 1930 को महात्मा गांधी ने दांडी (गुजरात) में समुद्र तट पर नमक कानून का उल्लंघन करके सविनय अवज्ञा आंदोलन प्रारंभ करने के उद्देश्य से अपने साबरमती आश्रम (अहमदाबाद) से चुने हुए साथियों के साथ सत्याग्रह के लिए कूच किया। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की वेबसाइट पर महात्मा गांधी को समर्पित गांधी हेरिटेज पोर्टल पर सभी सत्याग्रहियों की सूची नाम सहित उपलब्ध है। इस सूची के अनुसार, राज्य एवं सत्याग्रहियों की संख्या निम्नानुसार है। जहां से एक या दो सत्याग्रही शामिल हुए हैं उनके नाम भी हम उल्लिखित कर रहे हैं। वेबसाइट पर पूरे नाम देखे जा सकते हैं।

❑ गुजरात-32 ❑ महाराष्ट्र-13 ❑ उ.प्र.-8 ❑ कच्छ-6 ❑ केरल-4 ❑ पंजाब-3 ❑ राजपुताना-3 ❑ बॉम्बे-2 (दाउदमाई, हरीलाल माहिमतुरा) ❑ सिंध-1 (आनंद हिंगोरानी) ❑ नेपाल-2 (महावीर खड्ग बहादुर सिंह गिरि) ❑ तमिलनाडु-1 (तपन नायर) ❑ आंध्र-1 (सुब्रमण्यन) ❑ उत्कल-1 (मोतीबासदास) ❑ कर्नाटक-1 (महादेव मार्तण्ड) ❑ बिहार-1 (गिरिवरधारी चौधरी) ❑ बंगाल-1 (दुर्गेश चंद्र दास)।

9. **गांधीजी के नमक सत्याग्रह का उद्देश्य क्या था?**
(a) नमक कानून को निरस्त करना
(b) सरकार के सत्ता की कटौती
(c) आम लोगों के लिए आर्थिक राहत
(d) भारत के लिए 'पूर्ण स्वराज'
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
63rd B.P.S.C (Pre.) 2017

उत्तर–(e)

गांधीजी द्वारा प्रारंभ नमक सत्याग्रह का उद्देश्य नमक कानून निर्माण पर सरकारी एकाधिकार वाले कानून को निरस्त करना, पूर्ण स्वराज के लिए सविनय अवज्ञा आंदोलन चलाना, आम लोगों के आर्थिक राहत आदि था।

10. **निम्नलिखित में से किसने गांधीजी के नमक आंदोलन में भाग लिया?**
(a) सरोजिनी नायडू (b) राजकुमारी अमृत कौर
(c) कमलादेवी चट्टोपाध्याय (d) उपर्युक्त में से सभी
Jharkhand P.C.S (Pre) 2016

उत्तर–(d)

महात्मा गांधी ने 12 मार्च, 1930 को अपना प्रसिद्ध 'दांडी मार्च' शुरू किया। उन्होंने साबरमती आश्रम से चुने हुए साथियों के साथ सत्याग्रह के लिए कूच किया। 24 दिनों की लंबी यात्रा के बाद उन्होंने 6 अप्रैल, 1930 को दांडी में सांकेतिक रूप से नमक कानून भंग किया और इस प्रकार नमक कानून तोड़कर सविनय अवज्ञा आंदोलन का शुभारंभ किया। सविनय अवज्ञा आंदोलन में महिलाओं की व्यापक भागीदारी रही। उपर्युक्त सभी महिलाओं (सरोजिनी नायडू, राजकुमारी अमृत कौर, कमलादेवी चट्टोपाध्याय) ने गांधीजी के नमक सत्याग्रह में भाग लिया था।

11. **निम्नलिखित में से किस आंदोलन में महिलाओं की भागीदारी सर्वाधिक मानी जाती है?**
(a) असहयोग आंदोलन (b) नमक सत्याग्रह
(c) बारदोली कूच (d) भारत छोड़ो आंदोलन
U.P.P.C.S (Mains) 2016

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

Scanned with OKEN Scanner

12. महात्मा गांधी ने 1930 में सविनय अवज्ञा आंदोलन का आरंभ किया था—

(a) सेवाग्राम से (b) दांडी से

(c) साबरमती से (d) वर्धा से

I.A.S. (Pre) 1995

उत्तर—(b)

महात्मा गांधी 12 मार्च, 1930 को साबरमती आश्रम से 80 सहयोगियों के साथ पैदल चलकर 24 दिनों में लगभग 390 किमी. (241 मील) की यात्रा कर दांडी (गुजरात के नौसारी जिले में स्थित) पहुंचे जहां 6 अप्रैल, 1930 को उन्होंने नमक कानून भंग कर सविनय अवज्ञा आंदोलन का आरंभ किया।

13. सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू हुआ—

(a) होमरूल की घोषणा के बाद

(b) बंगाल के विभाजन के बाद

(c) दांडी मार्च के बाद

(d) कांग्रेस द्वारा पूर्ण स्वराज की घोषणा के बाद

U.P. P.S.C. (GIC) 2010

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

14. दांडी मार्च शुरू किया गया था—

(a) नमक कानून के समर्थन हेतु (b) नमक कानून तोड़ने हेतु

(c) रौलेट एक्ट के समर्थन हेतु (d) रौलेट एक्ट के विरोध में

U.P. P.C.S. (Pre) 1993

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

15. ऐतिहासिक 'दांडी मार्च' का संबंध है—

(a) निर्वाचन के बहिष्कार से

(b) 'नमक कानून' को तोड़ने से

(c) हिंदू-मुस्लिम एकता से

(d) छुआछूत को दूर करने से

U.P. P.C.S. (Mains) 2004

उत्तर—(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

16. दांडी यात्रा कितने दिन चली थी?

(a) 10 दिन (b) 20 दिन

(c) 24 दिन (d) 30 दिन

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

66th B.P.S.C (Pre) 2020

उत्तर—(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

17. सबसे पहले कौन-सी घटना घटी?

(a) दांडी मार्च

(b) भारत छोड़ो आंदोलन

(c) साइमन कमीशन का आगमन

(d) गांधी-इर्विन समझौता

Uttarakhand P.C.S. (Mains) 2006

उत्तर—(c)

घटना	-	तारीख
दांडी मार्च का प्रारंभ	-	12 मार्च, 1930
भारत छोड़ो आंदोलन का प्रारंभ	-	9 अगस्त, 1942
साइमन कमीशन का आगमन	-	3 फरवरी, 1928
गांधी-इर्विन समझौता	-	5 मार्च, 1931

18. भारतीय इतिहास में 6 अप्रैल, 1930 की तिथि जानी जाती है—

(a) महात्मा गांधी द्वारा दांडी मार्च हेतु

(b) प्रथम गोलमेज सम्मेलन हेतु

(c) गांधी-इरविन समझौता हेतु

(d) जलियांवाला बाग हत्याकांड हेतु

U.P. P.C.S. (Pre) 2002

U.P. P.C.S. (Mains) 2012

उत्तर—(a)

6 अप्रैल, 1930 को महात्मा गांधी ने दांडी में एक मुट्ठी नमक हाथ में लेकर सिविल नाफरमानी आंदोलन (सविनय अवज्ञा आंदोलन) का श्रीगणेश किया। सुभाष चंद्र बोस ने गांधीजी के इस अभियान की तुलना नेपोलियन के एल्बा से पेरिस की ओर किए जाने वाले अभियान से की थी। एक अंग्रेजी समाचार संवाददाता ब्रेल्सफोर्ड ने खिल्ली उड़ाई और कहा कि ''क्या सम्राट को एक केतली में पानी उबालने से हराया जा सकता है।'' इसके उत्तर में स्टेट्समैन समाचार-पत्र ने कहा—''गांधी महोदय समुद्र के जल को तब तक उबाल सकते हैं जब तक कि डोमिनियन स्टेट्स नहीं मिल जाता।''

19. कथन (A) : महात्मा गांधी द्वारा नमक आंदोलन वर्ष 1930 में चलाया गया था।

कारण (R) : महात्मा गांधी का उद्देश्य था कि गरीबों को नमक मुफ्त उपलब्ध हो।

उपर्युक्त वक्तव्यों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?

कूट :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

(b) (A) और (R) दोनों सही हैं, परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

Scanned with OKEN Scanner

(c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।

(d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2002

U.P. P.C.S. (Pre) 2003

उत्तर−(c)

गांधीजी द्वारा आरंभ किए गए सविनय अवज्ञा आंदोलन में प्रतीक के रूप में 6 अप्रैल, 1930 को दांडी में नमक कानून तोड़कर ब्रिटिश सरकार के प्रति अवज्ञा अपनाई गई। आंदोलन शुरू करने से पहले गांधीजी ने वायसराय इर्विन के समक्ष जो 11 मांगें रखी थीं, उसमें नमक कर एवं नमक पर सरकारी एकाधिकार की समाप्ति की मांग की गई थी न कि गरीबों को मुफ्त नमक उपलब्ध कराने की।

20. सविनय अवज्ञा आंदोलन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

1. महात्मा गांधी को नमक कानून तोड़ने के विरोध में सजा नहीं दी गई थी।

2. मदन मोहन मालवीय, देवदास गांधी और के.एम. मुंशी को नमक कानून तोड़ने पर सजा दी गई थी।

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए।

(a) केवल 1 (b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 न ही 2

U.P. R.O./A.R.O. (Mains) 2016

उत्तर−(b)

6 अप्रैल, 1930 को महात्मा गांधी ने दांडी (नौसारी जिला, गुजरात) में एक मुट्ठी नमक हाथ में लेकर 'नमक कानून' का उल्लंघन किया। महात्मा गांधी को नमक कानून तोड़ने के विरोध में ब्रिटिश सरकार द्वारा गिरफ्तार करके 'यरवदा जेल' भेज दिया गया। इस प्रकार प्रश्न में दिया गया कथन 1 असत्य है, जबकि नमक कानून तोड़ने पर ब्रिटिश सरकार द्वारा मदन मोहन मालवीय, देवदास गांधी तथा के.एम. मुंशी को सजा दी गई थी। अतः कथन 2 सत्य है।

21. "शक्ति के विरुद्ध अधिकार की इस लड़ाई में मैं विश्व की सहानुभूति चाहता हूं।" यह कथन किससे सम्बद्ध है?

(a) असहयोग आंदोलन से (b) गांधी की दांडी यात्रा से

(c) वैयक्तिक सत्याग्रह से (d) भारत छोड़ो आंदोलन से

U.P.P.C.S. (Mains) 2013

उत्तर−(b)

5 अप्रैल, 1930 को महात्मा गांधी अपने नमक सत्याग्रह के तहत दांडी ग्राम पहुंचे, उन्होंने दांडी आए सभी देशी व विदेशी पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि "शक्ति के विरुद्ध अधिकार की इस लड़ाई में मैं विश्व की सहानुभूति चाहता हूं।"

22. गांधी के दांडी मार्च के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है?

(a) यह साबरमती आश्रम से दांडी ग्राम तक का मार्च था।

(b) नमक कर का विरोध करना इसका विशेष प्रयोजन था।

(c) समुद्र के किनारे पहुंचकर गांधी ने नमक बनाया था।

(d) यह पूरी तरह से पैदल मार्च था।

U.P. P.C.S. (Spl.) (Pre) 2004

U.P. P.C.S. (Spl.) (Mains) 2008

उत्तर−(c)

गांधीजी ने दांडी में समुद्र तट पर नमक कानून का उल्लंघन करके सविनय अवज्ञा आंदोलन का शुभारंभ करने का निश्चय किया। नमक को इस आंदोलन का एक प्रमुख मुद्दा बनाया गया, क्योंकि सरकार ने इस अत्यावश्यक वस्तु की बिक्री को नियंत्रित कर रखा था और उस पर करारोपण किया था, जिसका गरीबों पर अत्यधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ता था। 12 मार्च, 1930 को गांधीजी ने दांडी मार्च शुरू किया। उन्होंने अपने साबरमती आश्रम (अहमदाबाद) से [राष्ट्रीय नमक सत्याग्रह स्मारक (संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार) ने दांडी मार्च में गांधी के 80 सहयोगियों (गांधी सहित कुल 81) की सूची दी है, जबकि इतिहास की अधिकांश पुस्तकों में सहयोगियों की संख्या 78 दी गई है।] चुने हुए साथियों के साथ सत्याग्रह के लिए कूच किया। 24 दिनों की लंबी यात्रा (पैदल) के बाद 5 अप्रैल, 1930 को वे दांडी पहुंचे तथा 6 अप्रैल, 1930 को उन्होंने एक मुट्ठी नमक हाथ में लेकर सविनय अवज्ञा आंदोलन का श्रीगणेश किया। इस प्रकार कथन (c) असत्य है।

23. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन महात्मा गांधी की दांडी यात्रा के विषय में असत्य है?

(a) यह पूर्णतः एक पैदल यात्रा थी।

(b) साबरमती आश्रम से आरंभ होकर इसका समापन दांडी में हुआ था।

(c) साबरमती आश्रम से शुरू समूची यात्रा 24 दिनों में पूरी हुई थी।

(d) इसकी शुरुआत 15 मार्च, 1930 को की गई थी।

U.P. P.C.S. (Mains) 2010

उत्तर−(d)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

24. नमक सत्याग्रह के समय गांधीजी के गिरफ्तार हो जाने के बाद आंदोलन के नेता के रूप में उनका स्थान किसने लिया?

(a) अब्बास तैयबजी (b) अबुल कलाम आजाद

(c) जवाहरलाल नेहरू (d) वल्लभभाई पटेल

U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2006

U.P. P.C.S. (Pre) 2002

U.P. P.C.S. (Mains) 2012

उत्तर−(a)

Scanned with OKEN Scanner

गांधीजी ने अपने सहयोगियों के साथ साबरमती आश्रम से 241 मील दूर समुद्र तट पर बसे दांडी गांव 5 अप्रैल, 1930 को पहुंचे तथा 6 अप्रैल, 1930 को उन्होंने एक मुट्ठी नमक हाथ में लेकर नमक कानून का उल्लंघन किया। इस सत्याग्रह में गांधीजी की गिरफ्तारी शोलापुर में हुई। तत्पश्चात आंदोलन का नेतृत्व अब्बास तैयबजी के हाथों में आ गया। इस आंदोलन में स्त्रियों ने भी अपनी भागीदारी दी।

25. महात्मा गांधी धरसना नमक गोदाम पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के धावे के समय कहां थे?

(a) यरवदा जेल में
(b) साबरमती जेल में
(c) आगा खां पैलेस पूना में
(d) अहमदनगर फोर्ट जेल में

U.P. P.C.S. (Pre) 2010

उत्तर–(a)

सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान धरसना नमक गोदाम पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के धावे से पूर्व महात्मा गांधी को 5 मई, 1930 को गिरफ्तार कर यरवदा जेल भेज दिया गया था। उनके स्थान पर अब्बास तैयबजी आंदोलन के नेता हुए। उनकी भी गिरफ्तारी के बाद श्रीमती सरोजिनी नायडू ने 21 मई, 1930 को धरसना नमक गोदाम पर धावे का नेतृत्व किया था। इस लोमहर्षक घटना का विवरण अमेरिकी पत्रकार वेब मिलर ने प्रस्तुत किया है।

26. आचार्य विनोबा भावे किस आंदोलन में भाग लेने के लिए प्रथम बार गिरफ्तार हुए थे?

(a) बारदोली आंदोलन
(b) चंपारन सत्याग्रह
(c) सविनय अवज्ञा आंदोलन
(d) असहयोग आंदोलन

U.P. U.D.A./L.D.A. (Pre) 2001

उत्तर–(c)

आचार्य विनोबा भावे गांधीजी के निकट सहयोगियों में से थे। गांधीजी द्वारा संचालित विभिन्न आंदोलनों में उन्होंने भाग लिया। वर्ष 1930 में वे सविनय अवज्ञा आंदोलन में भाग लेने के दौरान प्रथम बार गिरफ्तार हुए।

27. गांधीजी ने जिस विदेशी पत्रकार को दांडी मार्च के समय अपने साबरमती आश्रम में ठहराया, वह था–

(a) रिचर्ड ग्रेग
(b) वेब मिलर
(c) किरबाई पेज
(d) लुई फिशर

U.P. P.C.S. (Pre) 2002
U.P. Lower Sub. (Spl.) (Pre) 2003

उत्तर–(b)

वेब मिलर एक अमेरिकी पत्रकार था, जिसे गांधीजी ने दांडी मार्च के समय अपने साबरमती आश्रम में ठहराया था। धरसना की वीभत्स पुलिस ज्यादतियों का उल्लेख करते हुए इसने लिखा है कि–"संवाददाता के रूप में मैंने पिछले 18 वर्ष में असंख्य नागरिक विद्रोह देखे हैं। दंगे, गली-कूचों में मार-काट एवं विद्रोह देखे, लेकिन धरसना जैसा भयानक दृश्य मैंने अपने जीवन में कभी नहीं देखा।"

28. उस विदेशी पत्रकार का नाम बताइए, जिसने धरसना साल्ट वर्क्स पर सत्याग्रह के बारे में समाचार दिए–

(a) फ्रांसिस लुई
(b) मार्क टुली
(c) वेब मिलर
(d) फिलिप स्प्रेट

U.P.P.C.S. (Pre) 2021

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

29. निम्नलिखित में से कौन 'दांडी मार्च' में महात्मा गांधी के साथ था?

(a) एच.एन. ब्रेल्सफोर्ड
(b) वेब मिलर
(c) जी. स्लोकोम्ब
(d) जैम्स पेटर्सन

U.P.P.C.S. (Mains) 2015

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

30. इनमें से किसने अप्रैल, 1930 में नमक कानून तोड़ने के लिए तंजौर तट पर एक अभियान संगठित किया था?

(a) वी.ओ.चिदंबरम पिल्लै
(b) सी. राजगोपालाचारी
(c) के. कामराज
(d) एनी बेसेंट

I.A.S. (Pre) 2015

उत्तर–(b)

6 अप्रैल, 1930 को गांधीजी ने गुजरात के दांडी तट पर नमक बनाकर नमक कानून का उल्लंघन किया। इसी के साथ संपूर्ण देश में सविनय अवज्ञा आंदोलन का शुभारंभ हुआ तथा समस्त देश में नमक कानून उल्लंघन संबंधी अभियान संचालित किए गए। तमिलनाडु में तंजौर के समुद्री तट पर चक्रवर्ती राजगोपालाचारी ने त्रिचिनापल्ली से वेदारण्यम की नमक यात्रा प्रारंभ की। 30 अप्रैल को इनको गिरफ्तार करने के बाद भी यह आंदोलन इनके समर्थकों द्वारा चलता रहा।

31. भारतीय स्वाधीनता संघर्ष के दौरान रेड शर्ट्स के नाम से भी पहचाने जाने वाले खुदाई खिदमतगारों ने आह्वान किया–

(a) उत्तर-पश्चिमी के पख्तून जनजातीय क्षेत्रों को अफगानिस्तान के साथ मिलाकर एक करने का
(b) उपनिवेशीय शासकों को आतंकित करने और अंत में उन्हें हटा देने के लिए आतंकवादी युक्तियों और तरीकों को अपनाने का
(c) राजनैतिक और सामाजिक सुधार के लिए साम्यवादी क्रांतिवादी विचारधारा अपनाने का
(d) पठान क्षेत्रीय राष्ट्रवादी एकता का और उपनिवेशवाद के विरुद्ध संघर्ष का

I.A.S. (Pre) 2002

उत्तर–(d)

Scanned with OKEN Scanner

उत्तर-पश्चिमी सीमा प्रांत में खान अब्दुल गफ्फार खां के नेतृत्व में 'खुदाई खिदमतगार' नामक स्वयंसेवक संगठन स्थापित किया गया था, इन्हें 'लाल कुर्ती' (Red Shirt) के नाम से भी जाना जाता है। 'लाल कुर्ती' संगठन ने पठानों की राष्ट्रीय एकता का नारा बुलंद किया और अंग्रेजों से स्वतंत्रता के लिए ब्रिटिश उपनिवेशवाद के विरुद्ध आंदोलन संगठित किया तथा श्रमजीवियों की हालत में सुधार की मांग की। ध्यातव्य है कि जब अन्य प्रांतों में मुसलमान स्वयं को सत्याग्रह आंदोलन से अलग रख रहे थे, उत्तर-पश्चिमी सीमा प्रांत के मुसलमानों ने खान अब्दुल गफ्फार के नेतृत्व में सविनय अवज्ञा आंदोलन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

32. लाल कुर्ती दल संगठित किया गया था–
(a) स्वतंत्र पख्तूनिस्तान बनाने के लिए
(b) पाकिस्तान का सृजन निश्चित करने के लिए
(c) अंग्रेजों को निकालने के लिए
(d) स्वतंत्रता के पश्चात भारत को एक साम्यवादी देश बनाने के लिए

U.P. P.C.S. (Pre) 1993

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

33. 'लाल कुर्ती' आंदोलन के नेता थे–
(a) मौलाना आजाद (b) खान अब्दुल गफ्फार खां
(c) मोहम्मद अली जिन्ना (d) इक़बाल

Uttarakhand U.D.A./L.D.A. (Pre) 2007
U.P. Lower Sub.(Pre) 2009

उत्तर–(b)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

34. 1929 में 'खुदाई खिदमतगार' को किसने संगठित किया?
(a) अब्दुल गफ्फार खां (b) अली बंधु
(c) अंसारी बंधु (d) मौलाना अबुल कलाम आजाद
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/ उपर्युक्त में से एक से अधिक

Bihar P.C.S. (Pre) 2016

उत्तर–(a)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

35. गढ़वाल रेजीमेंट के सैनिकों ने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने से इंकार कर दिया था–
(a) खिलाफत आंदोलन में (b) असहयोग आंदोलन में
(c) सविनय अवज्ञा आंदोलन में (d) भारत छोड़ो आंदोलन में

U.P. P.C.S. (Spl) (Pre) 2004

उत्तर–(c)

सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान पेशावर में गढ़वाल रेजीमेंट के सिपाहियों ने वीर चंद्रसिंह गढ़वाली के नेतृत्व में निहत्थी भीड़ पर गोली चलाने से इंकार कर दिया था। ध्यातव्य है कि इस इलाके में खान अब्दुल गफ्फार खां वर्षों से सक्रिय थे और उनके द्वारा जनता में किए गए काम की वजह से अहिंसक क्रांतिकारियों के बहादुर जत्थे यानी खुदाई खिदमतगारों के दल तैयार हुए थे, ये लोग 'लाल कुर्ती' के नाम से जाने जाते थे। सविनय अवज्ञा आंदोलन में इनकी भूमिका काफी सक्रिय थी।

36. सन् 1930 में अंग्रेज सरकार के विरुद्ध, प्रसिद्ध 'पेशावर कांड' का नायक कौन था?
(a) जनरल बी.सी. जोशी (b) मेजर धनसिंह थापा
(c) वीर चंद्रसिंह गढ़वाली (d) प्रेमसिंह नेगी

Uttarakhand U.D.A./L.D.A. (Mains) 2007
Uttarakhand P.C.S. (Mains) 2006

उत्तर–(c)

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

37. जियातरंग आंदोलन कहां प्रारंभ हुआ?
(a) नगालैंड में (b) त्रिपुरा में
(c) मणिपुर में (d) मिजोरम में

U.P.P.C.S. (Pre) 2008

उत्तर–(c)

सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान मणिपुर की जनजातियों ने भी सक्रिय भागीदारी दिखाई। यहां पर आंदोलन का नेतृत्व नगा जनजाति की महिला गैडिनल्यू ने किया। इसे 'जियातरंग आंदोलन' कहा जाता है।

38. बेगूसराय के चौकीदारी टैक्स के विरुद्ध आंदोलन, एक हिस्सा था–
(a) असहयोग आंदोलन का
(b) सविनय अवज्ञा आंदोलन
(c) भारत छोड़ो आंदोलन का
(d) खिलाफत आंदोलन का

42nd B.P.S.C. (Pre) 1997

उत्तर–(b)

दिसंबर, 1930 में सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान उत्तरी बिहार के सारण जिले में चौकीदारी टैक्स के विरोध में प्रदर्शन हुआ और प्रदर्शनकारियों ने दमन चक्र की परवाह नहीं की। अगले महीने बेगूसराय में स्वतंत्रता दिवस के लिए एकत्रित भीड़ में भारी संख्या में ग्रामवासी आकर सम्मिलित हो गए और उपमंडल अधिकारी को एक गड्ढे में धकेल दिया। गोलीबारी किए जाने के बाद ही वे वहां से हटे।

Scanned with OKEN Scanner

39. **भागलपुर में नमक सत्याग्रह का नेतृत्व किसने किया था?**

(a) श्रीकृष्ण सिंह (b) महादेवलाल सराफ

(c) कुमार मिश्रा (d) सत्यनारायण

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

65th B.P.S.C. (Pre) 2019

उत्तर–(b)

प्रश्नगत विकल्पों में से भागलपुर में नमक सत्याग्रह का नेतृत्व महादेवलाल सराफ द्वारा किया गया, जो भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रतिबद्ध सदस्य थे।

40. **सविनय अवज्ञा आंदोलन (Civil Disobedience Movement) की असफलता के बाद गांधीजी ने महत्व दिया–**

(a) रचनात्मक कार्यक्रम को

(b) हिंसा के सीमित उपयोग को

(c) अंग्रेजों से समझौते पर

(d) उपर्युक्त में कोई भी नहीं

41st B.P.S.C. (Pre) 1996

उत्तर–(a)

सविनय अवज्ञा आंदोलन की असफलता के बाद गांधीजी ने रचनात्मक कार्यक्रम को महत्व दिया। अक्टूबर, 1934 में गांधीजी ने अपना पूरा समय 'हरिजनोत्थान' में लगाने के लिए सक्रिय राजनीति से स्वयं को हटाने का निश्चय किया। सितंबर, 1932 में गांधीजी ने हरिजन कल्याण हेतु ''अखिल भारतीय छुआछूत विरोधी लीग'' की स्थापना की तथा 'हरिजन' नामक साप्ताहिक-पत्र का प्रकाशन किया था।

41. **द्वितीय सविनय अवज्ञा आंदोलन में जुलूस का नेतृत्व करते हुए डॉ. राधाबाई को कब गिरफ्तार किया गया?**

(a) 12 फरवरी, 1932 (b) 16 मार्च, 1932

(c) 19 अप्रैल, 1932 (d) 13 जून, 1932

Chhattisgarh P.C.S. (Pre), 2021

उत्तर-(d)

डॉ. राधाबाई को दूसरे सविनय अवज्ञा आंदोलन में एक जुलूस का नेतृत्व करते हुए 13 जून, 1932 को गिरफ्तार किया गया था। महात्मा गांधी के सभी आंदोलनों में राधाबाई आगे रहीं। स्वदेशी नारी जागरण, अस्पृश्यता विरोधी, शराबबंदी जैसे आंदोलनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थीं।

42. **प्रभावती देवी किस क्षेत्र की स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थीं?**

(a) चंपारन (b) पटना

(c) भागलपुर (d) शाहाबाद

48th to 52nd B.P.S.C. (Pre) 2008

उत्तर–(b)

स्वतंत्रता आंदोलन में बिहार की महिलाओं ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। इन महिलाओं में सरला देवी, प्रभावती देवी, राजवंशी देवी, सुनीति देवी तथा राधिका देवी प्रमुख हैं। प्रभावती देवी पटना की स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थीं।

गांधी-इर्विन समझौता

नोट्स

*सविनय अवज्ञा आंदोलन के विस्तारित होते स्वरूप को देखते हुए वायसराय इर्विन ने देश में सौहार्द्र का वातावरण उत्पन्न करने के उद्देश्य से **26 जनवरी, 1931 को गांधीजी को जेल से रिहा** कर दिया। * **तेज बहादुर सप्रू** तथा **एम.आर. जयकर** के प्रयत्नों से गांधी एवं इर्विन के मध्य फरवरी, 1931 में दिल्ली में वार्ता आरंभ हुई। * 5 मार्च, 1931 को दोनों के मध्य एक समझौता हुआ, जो गांधी-इर्विन समझौते के नाम से जाना जाता है। * इस समझौते के परिप्रेक्ष्य में **सरोजिनी नायडू ने गांधी और इर्विन को 'दो महात्मा'** (The Two Mahatmas) की संज्ञा दी थी। * **गांधी-इर्विन समझौते** के अनुसार, (i) गांधीजी के नेतृत्व में कांग्रेस सविनय अवज्ञा आंदोलन स्थगित करने के लिए तैयार हो गई। (ii) सभी युद्ध बंदियों, जिनके विरुद्ध हिंसा का आरोप नहीं था, को रिहा करने का आदेश। (iii) विदेशी कपड़ों और शराब की दुकानों पर शांतिपूर्ण धरना देने का अधिकार। (iv) समुद्र तटीय प्रदेशों में बिना नमक कर दिए नमक बनाने की अनुमति। (v) **कांग्रेस द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने के लिए तैयार** हो गई। * परंतु इस समझौते ने जनता को निराश किया क्योंकि भगत सिंह, सुखदेव एवं राजगुरु को फांसी न दिए जाने की जनता की मांग को इसमें सम्मिलित नहीं किया गया था। ***इर्विन के जीवनीकार, एलन कैम्पबेल जॉनसन** ने गांधी-इर्विन समझौते में महात्मा गांधी के लाभों को **'सांत्वना पुरस्कार'** (Consolation Prizes) और इर्विन के एकमात्र आत्मसमर्पण के रूप में बातचीत के लिए सहमत होने को कहा था।

प्रश्नकोश

1. **गांधी-इर्विन समझौता हुआ मुख्य रूप से–**

(a) गोलमेज सम्मेलन में कांग्रेस की भागीदारी सहज करने के लिए

(b) सविनय अवज्ञा आंदोलन समाप्त करने के लिए

(c) गांधीजी द्वारा किया गया आमरण अनशन तोड़ने के लिए

(d) नमक पर कर समाप्त करने के लिए

U.P. Lower Sub.(Pre) 1998

उत्तर–(a)

Scanned with OKEN Scanner